A–0610

Total Pages : 2 **Roll No. .....**

MAJY-504

एम.ए. ज्योतिष (MAJY)

ग्रहण, वेध-यन्त्र तथा गोल परिचय-01

Examination February, 2026

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 70

नोट :– यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (2×19=38)

नोट :– खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. सूर्यग्रहण का विस्तृत वर्णन कीजिए।
2. चन्द्रश्रृंगोन्नति का साधन कैसे किया जाता है ? सोदाहरण लिखिए।
3. शर एवं बलन का सैद्धान्तिक विवेचन कीजिए।
4. ग्रहयुति किसे कहते हैं ? इसके साधन में वैशिष्ट्य क्या है ?
5. सोदाहरण अयनाक्ष दृक्कर्म संस्कार का उल्लेख कीजिए।

खण्ड–ख

लघु उत्तरीय प्रश्न (4×8=32)

नोट :– खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. सूर्य–चन्द्र ग्रहण के फल एवं शान्ति का वर्णन कीजिए।
2. सूर्यग्रहण के प्रमुख तत्वों का विश्लेषण कीजिए।
3. बलन के गणितीय पक्ष का उल्लेख कीजिए।
4. श्रृंगोन्नति पर टिप्पणी लिखिए।
5. ग्रहोदयास्त का सैद्धान्तिक पक्ष क्या है ?
6. पात स्वरूप का वर्णन करते हुए वैधृति–व्यतिपात लक्षण लिखिए।
7. कालांश को परिभाषित करते हुए नक्षत्रों के कालांश का लेखन कीजिए।
8. नति–लम्बनोत्पत्ति का कारण लिखिए।

****